HANUMAN CHALISA

ராமாய ராமபத்ராய
ராமசந்த்ராய வேதஸே .
ரகுநாதாய நாதாய
சிதாய பதயே நம: ।।

रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे।
रघुनाथाय नाथाय सीतायः पतये नमः ॥

rāmāya rāmabhadrāya
rāmachandrāya vedhase .
raghunāthāya nāthāya
sītāyāḥ pataye namaḥ

II Hanuman Gayatri Mantra II

ஓம் ஆஞ்சனேயாய வித்மஹே
வாயு புத்ராய தீமஹி
தந்நோ ஹனுமத் ப்ரசோதயாத்

ॐ आञ्जनेयाय विद्महे
वायुपुत्राय धीमहि।
तन्नो हनुमत् प्रचोदयात्॥

Om Anjaneyaya Vidmahe
Vayuputraya Dhimahi।
Tanno Hanumat Prachodayat॥

புத்திர் பலம் யஷோ தைர்யம்
நிர்பயத்வம் அரோகதாம்
அஜாட்யம் வாக் பட்டுத்வம் ச
ஹனுமத் ஸ்மரன்னாத் பவேத் ||

बुद्धिर् बलम् यशो धैर्यम्
निर्भयत्वम् अरोगताम्
अजाड्यम् वाक् पटुत्वम् च
हनुमत् स्मरणात् भवेत् ॥

Buddhir Balam Yasho Dhairyam
Nirbhayatvam Arogataam
Ajaaddyam Vaak Pattutvam Ca
Hanumat Smarannaat Bhavet ||

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मन मुकुरु सुधारि ।
बरनऊँ रघुबर बिमल जसु जो दायक फल चारि ॥
बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवनकुमार ।
बल बुद्धि बिद्या देहु मोहिं हरहु कलेस बिकार ॥

ஸ்ரீ கு³ரு சரண ஸரோஜ ரஜ நிஜமன முகுரு ஸுதா⁴ரி ।
பரணௌ ரகு⁴பர பிமல ஜஸு ஜோ தா³யக ப²லசாரி ॥
பு³த்³தி⁴ஹீன் தனுஜானிகே ஸுமிரௌ பவன் குமார் ।
ப³ல பு³த்³தி⁴ பித்³யா தே³ஹு மோஹி ஹரஹு கலேஸ பிகார்

Shri Guru Charan Saroj Raj, Nija Mann Mukuru Sudhari |
BaraNau Raghubar Bimal Jasu, Jo Daayak Phala Chari ||
Budheeheen Tanu Jaanike, Sumirau Pavan Kumar |
Bal Buddhi bidhya Dehoo Mohee, Harahu Kalesh bikaar ||

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ॥ 1
राम दूत अतुलित बल धामा ।
अंजनिपुत्र पवनसुत नामा ॥ 2

ஜய ஹனுமான் ஜ்ஞான் கு³ண ஸாக³ர் ।
ஜய கபீஸ திஹுஂ லோக உஜாக³ர் ॥ 1 ॥
ராமதூ³த அதுலித ப³லதா⁴மா ।
அஞ்ஜனி புத்ர பவனஸூத நாமா ॥ 2 ॥

Jai Hanuman Gyan Guna Saagar |
Jai Kapisa Tihun Loka Ujaagar ||
Rama Doota Atulita Bala Dhaama |
Anjani Putra Pavana Suta Naama ||

महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
कुमति निवार सुमति के संगी ॥
कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुंडल कुंचित केसा ॥

மஹாபீர பிக்ரம பஜ³ரங்கீ³ ।
குமதி நிவார ஸுமதி கே ஸங்கீ³ ॥3 ॥
கஞ்சன பரண பிராஜ ஸுபேஸா ।
கானந குண்ட³ல குஞ்சித கேஸா ॥ 4 ॥

Mahabira bikrama Bajrangi |
Kumati Nivaara Sumati Ke Sangi ||
Kanchana barana biraaja SubesaA |
Kaanana Kundala Kunchita Kesaa || 4

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै ।
काँधे मूँज जनेऊ साजै ॥
संकर स्वयं केसरीनंदन ।
तेज प्रताप महा जग बंदन ॥

ஹாத²பஜ்ர ஔ த்⁴வஜா பிராஜை । [ஔரு]
காந்தே² மூஞ்ஜ ஜனேவு ஸாஜை ॥ 5॥
ஶங்கர ஸுவன கேஸரீ நந்த³ன ।[ஶங்கர ஸ்வயம்]
தேஜ ப்ரதாப மஹாஜக்³ பந்த³ன ॥ 6 ॥

Hath bajra Aur Dhwajaa birajai |
Kaandhe Moonj Janeu Saajai ||
Sankara Svayam(suvana) Kesari Nandan |
Teja Prataapa Mahaa Jag bandana ||

विद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ॥
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ॥

வித்³யாவான கு³ணீ அதி சாத்துர் ।
ராம காஜ கரிபே கோ ஆதுர் ॥ 7 ॥
ப்ரபு⁴ சரித்ர ஸுனிபே கோ ரஸியா ।
ராமலக²ன ஸீதா மன ப³ஸியா ॥ 8॥

Vidyavaan Guni Ati Chaatur |
Rama Kaja Karibe Ko Aatur ||
Prabhu Charitra Sunibe Ko Rasiyaa |
Rama Lakhana Sita Man Basiya || 8

राम लक्ष्मण जानकी

जय बोलो हनुमान की ॥

Ram Lakshman Janaki

सूक्श्म रूप धरि सियहि दिखावा ।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ॥
भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचंद्र के काज सँवारे ॥

ஸூக்ஷ்ம ரூபத⁴ரி ஸியஹி தி³கா²வா ।
பிகட் ரூபத⁴ரி லங்க ஜராவா ॥ 9 ॥
பீ⁴ம ரூபத⁴ரி அஸுர ஸம்ஹாரே ।
ராமசந்த்³ர கே காஜ ஸம்வாரே ॥ 10 ॥

Sukshma Roopa Dhari Siyahi Dikhaavaa |
bikat Roopa Dhari Lank Jaraavaa ||
Bhima Roopa Dhari Asura Sanhare |
Ramachandra Ke Kaja Sanvare ||

लाय संजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ॥
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥

லாய ஸஞ்ஜீவன லக²ன ஜியாயே ।
ஸ்ரீ ரகு⁴பீர ஹரஷி உர லாயே ॥ 11 ॥
ரகு⁴பதி கீன்ஹீ ப³ஹுத ப³டா³யீ (ஈ) ।
தும மம ப்ரிய ப⁴ரத ஹீ ஸம பா⁴யீ ॥ 12 ॥

Laye Sanjivana Lakhana Jiyaaye |
Shri Raghubira Harashi Ura Laye ||
Raghupati Kinhi Bahut Badaai |
Tum Mama Priya Bharata-Hi-Sama Bhaai || 12

सहस्र बदन तुम्हरो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ॥
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ॥

ஸஹஸ்ர பத³ன தும்ஹரோ ஜஸ கா³வை ।
அஸ கஹி ஸ்ரீபதி கண்ட² லகா³வை ॥ 13 ॥
ஸனகாதி³க ப்³ரஹ்மாதி³ முனீஸா ।
நாரத³ ஸாரத³ ஸஹித அஹீஸா ॥ 14 ॥

Sahasra Badana Tumhaaro jas Gaavain |
As Kahi Shripati Kanth Lagaavain ||
Sankaadhik Brahmaadi Muneesaa |
Narada Sarada Sahita Aheesa ||

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा
राम मिलाय राज पद दीन्हा

Jam Kubera Digpāl Jahāṅ te
Kabi Kobid Kahi sake Kahāṅ te
Tum Upakār Sugrīvahiṅ Kīnhā
Rāma Milāya Rāja Pada Dīnhā

ஜம குபேர திக்பால் ஜஹான் தே
கபி கோபிது கஹி ஸகே கஹான் தே
தும் உபகார் ஸுக்ரீவஹி கீன்ஹா
ராம மிலாய ராஜ பத தீன்ஹா

राम लक्ष्मण जानकी

जय बोलो हनुमान की ॥

Ram Lakshman Janaki

तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना ।
लंकेस्वर भए सब जग जाना ॥
जुग सहस्र जोजन पर भानू ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥

தும்ஹரோ மந்த்ர விபீ⁴ஷண மானா ।
லங்கேஶ்வர ப⁴யே ஸப³ ஜக³ ஜானா ॥ 17 ॥
ஜுக³ ஸஹஸ்ர ஜோஜன பர பா⁴னூ ।
லீல்யோ தாஹி மது⁴ர ப²ல ஜானூ ॥ 18 ॥

Tumharo Mantra Vibheeshana Maana |
Lankeshwara Bhaye Sab Jag Jaana ||
jug Sahasra jojan Par Bhaanu |
Leelyo Taahi Madhura Phala Jaanu ||

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ॥
दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥

ப்ரபு⁴ முத்³ரிகா மேலி முக² மாஹீ ।
ஜலதி⁴ லாங்கி⁴ க³யே அசரஜ நாஹீ ॥ 19 ॥
து³ர்க³ம காஜ ஜக³த கே ஜேதே ।
ஸுக³ம அனுக்³ரஹ தும்ஹரே தேதே ॥ 20 ॥

Prabhu Mudrika Meli Mukha Maahee |
Jaladhi Laanghi Gaye Achraj Nahee ||
Durgama Kaja Jagat Ke Jete |
Sugama Anugraha Tumhre Tete || 20

राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥
सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
तुम रच्छक काहू को डर ना ॥

ராம து³ஆரே தும் ரக்²வாரே ।
ஹோத ந ஆஜ்ஞா பி³னு பைஸாரே ॥ 21 ॥
ஸப³ ஸுக² லஹை தும்ஹாரீ ஸரணா ।
தும் ரச்சக் காஹூ கோ ட³ர நா ॥ 22 ॥

Ram Duwaare Tum Rakhvare |
Hot Na Agya Binu Paisare ||
Sab Sukh Lahai Tumhari Sarna |
Tum Rachchak Kahu Ko Darna ||

आपन तेज संहारो आपै ।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ॥
भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ॥

ஆபன தேஜ ஸம்ஹாரோ ஆபை ।
தீனோம் லோக ஹாங்க தே காம்பை ॥ 23 ॥
பூ[4]த பிஸாச நிகட நஹி ஆவை ।
மஹாபீர் ஜப[3] நாம ஸுனாவை ॥ 24 ॥

Aapan Tej Samharo Aapai |
Teenon Lok Hank Te Kanpai ||
Bhoot Pisaach Nikat Nahin Aavai |
Mahabir Jab Naam Sunaavai || 24

राम लक्ष्मण जानकी

जय बोलो हनुमान की ॥

Ram Lakshman Janaki

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥
संकट तें हनुमान छुड़ावै ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥

நாஸை ரோக³ ஹரை ஸப³ பீரா ।
ஜபத நிரந்தர் ஹனுமத பீரா ॥ 25 ॥
ஸங்கட் தே ஹனுமான சு²டா³வை ।
மன க்ரம பசன த்⁴யான ஜோ லாவை ॥ 26 ॥

Naasai Rog Harai Sab Peera |
Japat Nirantar Hanumat Beera ||
Sankat te Hanuman Chhudaavai |
Mana Krama bachana Dhyaan Jo Laavai ||

सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिन के काज सकल तुम साजा ॥
और मनोरथ जो कोई लावै ।
सोई अमित जीवन फल पावै ॥

ஸப³ பர் ராம் தபஸ்வீ ராஜா ।
தின்கே காஜ சகல் தும் ஸாஜா ॥ 27 ॥
ஔர் மனோரத² ஜோ கோயி லாவை ।
ஸோஈ அமித் ஜீவன ப²ல பாவை ॥ 28 ॥

Sab Par Raam Tapasvee Raja |
Tin Ke Kaaja Sakal Tum Saaja ||
Aur Manorath Jo Koi Laavai |
Soi Amit Jeevan Phal Pavai || 28

चारो जुग परताप तुम्हारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ॥
साधु संत के तुम रखवारे ।
असुर निकंदन राम दुलारे ॥

சாரோ ஜுக³ பரதாப் தும்ஹாரா ।
ஹை பரஸித்³த⁴ ஜக³த உஜ்ஜியாரா ॥ 29 ॥
ஸாது⁴ ஸந்த கே தும் ரக²வாரே ।
அஸுர நிகந்த³ன ராம் து³லாரே ॥ 30 ॥

Charon Jug Partap Tumhara |
Hai Parsiddh Jagata Ujiyaara ||
Sadhu Santh Ke Tum Rakhware |
Asura Nikandan Ram Dulare ||

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ॥
राम रसायन तुम्हरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ॥

அஷ்ட²ஸித்³தி⁴ நௌ நிதி⁴ கே தா³தா ।
அஸ பர தீ³ன் ஜானகீ மாதா ॥ 31 ॥
ராம ரஸாயன தும்ஹரே பாஸா ।
ஸதா³ ரஹோ ரகு⁴பதி கே தா³ஸா ॥ 32 ॥

Ashta Siddhi Nau Nidhi Ke Daata |
As bar Deen Janaki Maata ||
Raam Rasaayan Tumhare Paasa |
Sadaa Raho Raghupati Ke Daasa || 32

राम लक्ष्मण जानकी

जय बोलो हनुमान की ॥

Ram Lakshman Janaki

तुम्हरे भजन राम को पावै ।
जन्म जन्म के दुख बिसरावै ॥
अंत काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरिभक्त कहाई ॥

தும்ஹரே ப ⁴ஜ⁴ன ராமகோ பாவை ।
ஜன்ம ஜன்ம கே து³க² பி³ஸராவை ॥ 33 ॥
அந்த கால ரகு⁴பதி புரஜாயீ । [ரகு⁴பர்]
ஜஹாம் ஜன்ம ஹரிப⁴க்த கஹாயீ ॥ 34 ॥

Tumhare Bhajan Raam Ko Paavai |
Janm Janm Ke Dukh Bisraavai ||
Ant kaal Raghubar Pur Jaayee |
Jahan Janm Hari Bhakt Kahayee ||

और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेई सर्ब सुख करई ॥
संकट कटै मिटै सब पीरा ॥
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥

ஔர் தே³வதா சித்த ந த⁴ரயீ ।
ஹனுமத ஸேயி ஸர்வ ஸுக² கரயீ ॥ 35 ॥
ஸங்கட் க(ஹ)டை மிடை ஸப³ பீரா ।
ஜோ ஸுமிரை ஹனுமத ப³ல பீரா ॥ 36 ॥

Aur Devata Chitt Na Dharayi |
Hanumat Sei Sarb Sukh Karayi ||
Sankat Katai Mitai Sab Peera |
Jo Sumirai Hanumat Bala beera || 36

जै जै जै हनुमान गोसाईं ।
कृपा करहु गुरु देव की नाईं ॥
जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बंदि महा सुख होई ॥

ஜை ஜை ஜை ஹனுமான் கோ³ஸாயீ ।
க்ருபா கரஹு கு³ருதே³வ கீ நாயீ ॥ 37 ॥
யஹ ஶத பார பாட² கர கோயீ । [ஜோ]
சூ²டஹி ப³ந்தி³ மஹா ஸுக² ஹோயீ ॥ 38 ॥

Jai Jai Jai Hanuman Gosaai |
Kripa Karahun Gurudev Ki Naayi ||
Jo Sat Baar PaaT Kar Koi |
Chhutahin Bandi Mahaa Sukha Hoi ||

जो यह पढ़े हनुमान चलीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥
तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
कीजै नाथ हृदय मँह डेरा ॥

ஜோ யஹ படே ஹனுமான் சலீஸா ।
ஹோய ஸித்³தி⁴ ஸாகீ² கௌ³ரீஸா ॥ 39 ॥
துலஸீதா³ஸ ஸதா³ ஹரி சேரா ।
கீஜை நாத² ஹ்ருத³ய மஹ டே³ரா ॥ 40 ॥

Jo Yeh Padhe Hanuman Chalisa |
Hoye Siddhi Saakhi Gaureesa ||
Tulsidas Sadaa Hari Chera |
Keejai Nath Hriday Maha Dera || 40

राम लक्ष्मण जानकी

जय बोलो हनुमान की ॥

Ram Lakshman Janaki

दोहा

पवनतनय संकट हरन मंगल मूरति रूप ।
राम लखन सीता सहित हृदय बसहु सुर भूप ॥

பவன தனய ஸங்கட ஹரண - மங்கள³
மூரதி ரூப் ।
ராம லக²ன ஸீதா ஸஹித-ஹ்ருத³ய
ப³ஸஹு ஸுரபூ⁴ப் ॥

Pavan Tanay Sankat Harana, Mangala
Murati Roop |
Ram Lakhan Sita Sahita, Hriday Basahu
Soor Bhoop ||